Hindi Murli Quiz 05-03-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **तुम जानते हो अभी हम ईश्वरीय फैमिली के बने हैं । बाप ने आकर के यह फैमिली बनाई है । बाबा ने ब्रह्मा को एडाप्ट किया फिर उन द्वारा बच्चो को रचा है । यह सब ब्रह्माकुमार-कुमारिया हैं ना । यह नाता प्रवृत्ति मार्ग का हो जाता है । सन्यासियों का है निवृत्ति मार्ग । उसमे कोई ----------नही कहते । यहाँ तुम ---------- कहते हो । और जो भी सतसंग है वह सब निवृत्ति मार्ग के हैं । यह एक ही बाप है जिसको मात-पिता कह पुकारते हैं ।**
[निम्नलिखित विकल्पों में से सबसे सटीक एक उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

A. भाई-भाई
B. बाप-बच्चे
C. बहन-भाई
D. मम्मा-बाबा
E. गुरु-शिष्य

Q.2) **यह प्रश्न आज की धारणा पर आधारित है । सभी सही पॉइंट्स चयन करें -----**

A. फुल पास होने का पुरूषार्थ करना है । कांटों को फूल बनाने की सेवा करनी है ।
B. जो ज्ञान की बातों के सिवाए दूसरा कुछ भी सुनाए- उसका संग नहीं करना है ।
C. जो देह रहित विचित्र है, उस बाप से मुहब्बत रखनी है ।
D. माया का थप्पड़ न लगे- यह सम्भाल करनी है ।
E. किसी देहधारी के नाम-रूप मे बुद्धि नही फँसानी है ।

Q.3) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ----**

	Choice		Match
A	बच्चों को सदा उल्लास रहे कि,	1	सतयुग में यह पुरूषार्थ नहीं करेगे,वहाँ तो है प्रालब्ध ।
B	जितना योग में रहेंगे,	2	ज्ञान सागर बाप हमे रोज ज्ञान रत्नों की थालियां भर- भर कर देते है ।
C	यह बुद्धि मे है कि हम रूहानी बाप के आगे बैठे है,	3	वह बाप हमको सृष्टि के आदि- मध्य- अन्त का राज समझाते है ।
D	पतित मनुष्य पावन मनुष्यो के आगे नमस्ते करते हैं ,	4	है तो वह भी भारत के मनुष्य, परन्तु वह दैवीगुण वाले है ।
E	हम बाप द्वारा दैवीगुण धारण कर रहे हैं ,	5	उतना बुद्धि कंचन होती जायेगी ।

Q.4) **वाक्यों को उनके अर्थ के अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice		Match
A	जितना पुरूषार्थ करेंगे उतना पद पायेगे ।	1	इसलिए अच्छी रीति पढ़कर, पुरूषार्थ करके फुल पास होना चाहिए ।
B	इस ज्ञान से बहुत सुख मिलेगा ।	2	अगर यथार्थ रीति जानते तो कभी छोडते नहीं ।
C	बाप कहते हैं मैं जो हूँ, जैसा हूँ, मुझे यथार्थ रीति कोई नही जानते ।	3	बाकी पत्थर बुद्धि बनती है ।
D	आत्मा कभी बूढ़ी नहीं होती ।	4	सारा मदार पुरूषार्थ पर है ।
E	अनगिनत बार तुमको पढ़ाता हूँ फिर भी भूल जायेंगे ।	5	सतयुग मे इस ज्ञान की दरकार ही नही रहती ।

Q.5) **–आज के वरदान और स्लोगन पर आधारित यह मैचिंग एक्सरसाइज बहुत ध्यान से करें-----**

	Choice		Match
A	जो बच्चे स्वमान मे रहते है उन्हे कभी भी अभिमान नही आ सकता ।	1	वे स्वय सम्पन्न होने के कारण सदा रहमदिल होते हैं ।
B	जितना बडा स्वमान,	2	उतना ही हाँ-जी में निर्मान ।
C	स्वमान वाले सभी को मान देने वाले दाता होते हैं,	3	वे सदा निर्माण होते हैं ।
D	स्नेह ही सहज याद का साधन है,	4	इसलिए सदा स्नेही रहना और स्नेही बनाना ।

Q.6) **कोई कहते हैं जैसे भोजन जरूरी है वैसे यह विकार भी भोजन है, इनके बिना मर जायेंगे । ऐसी बात तो है नहीं । सन्यासी पवित्र बनते हैं फिर मर जाते हैं क्या! ऐसे बोलने वालों के लिए समझा जाता है कोई बहुत अजामिल जैसे पापी होंगे । जो पीछे आते हैं उन आत्माओ ने निर्विकारी दुनिया तो देखी ही नही है । तो वह आत्माएं ऐसे-ऐसे कहेगी कि इन बिगर हम रह नही सकते । सूर्यवशी जो होगे उनको तो फौरन बुद्धि मे आयेगा - यह तो सत्य बात है । बरोबर स्वर्ग मे विकार का नाम- निशान नही था ।**

A. True

B. False

Q.7) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ----**

	Choice		Match
A	हमारा धर्म बहुत सुख देने वाला है ।	1	ज्ञान सागर बाप हमे रोज ज्ञान रत्नों , जवाहरातो की थालियां भर- भरकर देते हैं ।
B	यहाँ भल अमेरिका रशिया आदि में कितने साहूकार हैं,	2	सोने के महल होते ही हैं सतयुग में ।
C	यहाँ सोने की ईटो जैसे महल तो कोई बना न सके ।	3	फिर हम और पुराने धर्म वालों का संग क्यों करे!
D	वहाँ तो हर जगह हीरे-जवाहरात लगे हुए होगे,	4	यहाँ तो हीरों का भी कितना दाम हो गया है।
E	बाबा ने समझाया है नई दुनिया मे फिर सब खानियां भरतू हो जायेगी ।	5	अभी यह सब खाली होती रहेंगी ।
F	सदा उल्लास रहे ,	6	परन्तु स्वर्ग जैसे सुख हो न सके ।

Q.8) **बाप भी गुप्त है, तुम भी गुप्त सेना हो। अननोन वारियर्स, नानवायोलेन्स यह तुम्हारा ही नाम है । सबसे पहली-पहली हिंसा है यह विकार, जो ही आदि-मध्य- अन्त दु :ख देते हैं । विकार में जो गिरते है तो बुद्धि एकदम चट हो जाती है । बाप कितना समझाते है- कोई भी देहधारी से प्यार नही रखना है, मुहब्बत नही रखनी है । मुहब्बत रखनी है उनसे जो देह रहित विचित्र बाप है।**

A. True

B. False

Q.9) **–आज की मुरली के अनुसार तख्तनशीन बनने के लिए दिये गए सभी पॉइंट्स चयन करें ------**

A. अन्य आत्माओं को भी आप समान बनाओ ।

B. बाप की श्रीमत अनुसार चलो ।

C. पुरानी दुनिया से उपराम रहो ।

D. .तख्तनशीन बनना है तो मात-पिता को पूरा-पूरा फालो करो ।

Q.10) **'मीठे बच्चे-तुमने बाप का हाथ पकड़ा है, तुम ---------- में रहते भी बाप को याद करते-करते तमोप्रधान से सतोप्रधान बन जायेंगे । ''**

[निम्नलिखित विकल्पों में से मुरली अनुसार सबसे सटीक उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

A. वान्यप्रस्थ

B. पुरानी दुनिया

C. सन्यास

D. गृहस्थ व्यवहार,